

**PAPER-III**  
**KONKANI**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_
2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

**D 8 5 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

**KONKANI**  
**कोंकणी**

**PAPER – III**  
**प्रश्नपत्र – III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**सुचोवणी :** हें प्रश्नपत्र दोनशीं (200) गुणांचें आसा. हांतुत चार (4) विभाग आसात. उमेदवारांनी दिल्ल्या सुचोवण्यांक धरून दर एका विभागांतल्या प्रस्नांच्यो जापो बरोवंच्यो.

**SECTION – I**

**विभाग – I**

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**सुचोवणी :** ह्या विभागांत **वीस-वीस (20)** गुणांचे **दोन (2)** निबंधात्मक प्रस्न आसात. तांतुंतल्या दर एका निबंधाची जाप **पांचशीं (500)** उतरांनी बरोवंची. **(2 × 20 = 40 गुण)**

1. उंचल्या पांवड्यावेले कोंकणी शिक्षण

**OR/वा**

म्हज्या आवडीचो कोंकणी सिनेमा.







2. साहित्यातले राजकारण  
**OR/वा**  
गोंयची सैमीक सोबीतताय









**SECTION – II**  
**विभाग – II**

**Note :** This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

**सुचोवणी :** ह्या विभागांत दर एका ऐच्छिक उप-विभागाचेर **तीन-तीन (3)** प्रस्न आसात. तांतुतलो खंयचोय एक उप-विभाग वेंचून काडून तांतुतल्या **तीनय (3)** प्रस्नांच्यो जापो बरोवंच्यो. दर एका प्रस्नाक **पंदरा (15)** गूण आसात. दर एका प्रस्नाची जाप सुमार **तीनशीं (300)** उतरांनी बरोवंची. **(3 × 15 = 45 गुण)**

**Elective – I / ऐच्छिक – I**

3. केरळांत आदलीं कोंकणी बरपावळ आसा व्हय ? हे विशीं तुमचीं मत्तां कितें ?
4. फिरंग्या आदल्या कोंकणी साहित्याच्यो विशेशतायो सांगात.
5. ‘पोरण्या रामायण महाभारताच्या बरपांतल्यान कोंकणी समाज दर्शन जाता’ ह्या विधानाचेर उजवाड घालात.

**OR/वा**

**Elective – II / ऐच्छिक – II**

3. सांत आंतोनीन जीवे आसतना आनी मरणांउपरान्त केल्या अचर्यांचेर बरयल्ल्या ‘सांत आंतोनीची अचर्या’ ह्या पुस्तकाचेर चिकित्सक नदर भोंवडायात.
4. ‘वनवाळ्यांचो मळो’ पुस्तकांतल्या कांय म्हत्वाच्या पात्रांचें सभाव चित्रण करात.
5. सतराव्या शेंकड्यांत येवरोपी मिशनरींनी केल्ल्या कोंकणी बरपावळीचेर उजवाड घालात.

**OR/वा**

**Elective – III / ऐच्छिक – III**

3. सुटकेउप्रांत गोंयात जाल्ल्या शब्दकोशांच्या वावराचो नियाळ करात.
4. ‘पुण्यात्मो राम कामती’ ह्या चरित्राच्या आदारान राम कामतीच्या सभावाची खंयची वैशिष्टयां दिसतात ?
5. भोंवडेवर्णनाच्या पुस्तकाचो समीक्षात्मक नदरेन नियाळ करात.

















**SECTION – III**

**विभाग – III**

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

**सुचोवणी :** ह्या विभागांत **धा-धा (10)** गुणांचे **णव (9)** प्रस्न आसात. दर एका प्रस्नाची जाप सुमार **पन्नास (50)** उतरांनी बरोवंची. **(9 × 10 = 90 गुण)**

6. ‘क्लासिक साहित्य’ आनी ‘वैश्विक साहित्य’ हे विशीं टी.एस. इलियट हांचे विचार बरयात.

7. भाशे-कूळ हे संकल्पनेची व्याख्या दिवन भारतीय भाशेकुळांच्या संदर्भात कोंकणीची सुवात दाखयात.

8. कर्नाटकांतल्या मुखेल कवींची म्हायती दयात.

9. तंत्रिक नदरेंतल्यान समकालीन तियात्रांत जाल्ले बदल खंयचें ?

10. 'कथा साहित्य म्हळ्यार दुसऱ्या पांवड्यावेलो साहित्य प्रकार' ह्या विधानाची सत्यताय जयंती नायकाच्या कथा लेखनाच्या आदारान पारखात.

11. लोककथा आनी दन्तकथा हांचेमदले वेगळेपण सांगात.

12. कोंकणी साहित्याच्या मळार समीक्षा साहित्याचें स्वरूप स्पश्ट करात.



13. निबंदाची संकल्पना स्पष्ट करुन खंयच्याय एके अस्तुरी निबंदकाराच्या बरपाच्यो विशेशतायो सांगात.

14. कथा आनी नवलिका हांचे मदल्यो सारकायो आनी वेगळेपणा स्पष्ट करात.

SECTION – IV

विभाग – IV

**Note :** This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

**सुचोवणी :** ह्या विभागांत एक कविता दिल्या. ताचेर आदारून **पांच (5)** प्रस्न विचारल्यात. दर एका प्रस्नाची जाप सुमार **तीस (30)** उतरांनी बरोवंची. दर एका प्रस्नाक **पांच (5)** गूण दवरल्यात. (5 × 5 = 25 गुण)

‘अथांग’ म्हणल्यार व्यापकताय  
हे व्यापकतायेक ना अंत, ना पार !  
ना थाव, ना सुगाव !  
ती माथ्यार सांवळी धरतल्या  
मळबावरी !  
पांयांक थिराय दितले

वसुंधरेवरी !  
ती संवसाराक उजवाड दितल्या  
सुर्याभशेन !  
आत्म्याक जिवदान दितल्या  
आवयच्या दुदाभशेन !  
ती ह्या संवसाराच्या  
कणा-कणांत भरल्या  
खिणा-खिणांत रावल्या !  
ती पळोवपाक  
आत्म्याची दिव्य नदर जाय,  
समजुवपाक परमार्थी मन जाय !  
ज्या मनशाक ही नदर मेळटा,  
हें मन सांपडटा,  
तो मनीस मागीर 'मनीस' उरना !  
तो अथांगाचेंच एक आंग जाता,  
अथांगांतच विलीन जाता ! .....

15. 'अथांगा' ची व्यापकताय तुमच्या उतरांनी बरयात.



18. संवसाराक उजवाड दितल्या सूर्याचें म्हत्व तुमच्या उतरांनी बरयात.

19. “ ‘आवयचें दूद’ भुरग्यांखातीर जिवदान दिता” हाची वैज्ञानीक दृश्टी स्पश्ट करात.

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....